# TDC Part-I
# Philosophy (Hons.) Paper-I
# Indian Philosophy

1. भौतिकवादी है
   (a) चार्वाक (b) सांख्य (c) योग (d) न्याय
2. वृहस्पति का सम्बन्ध है
   (a) चार्वाक (b) सांख्य (c) योग (d) न्याय
3. लोकायत कहा जाता है
   (a) चार्वाक को (b) सांख्य को (c) योग को (d) न्याय को
4. नास्तिक–शिरोमणि से अलंकृत है
   (a) चार्वाक (b) सांख्य (c) योग (d) न्याय
5. ''तत्त्वोपप्लव सिंह'' के रचयिता कौन हैं?
   (a) जयराशि भट्ट (b) कपित (c) रामानुज (d) इसमें से कोई नहीं
6. भौतिकवाद में कौन विश्वास करता है?
   (a) शंकर (b) अजीतकेशकम्बली (c) गौतम (d) सभी
7. कृष्णपति मिश्र ने अपनी किस पुस्तक में भौतिकवाद की शिक्षाओं का विवरण दिया है?
   (a) प्रबोधचन्द्रोदय (b) लोकायत (c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं
8. किसका कहना है ''लोकायत ही एकमात्र शास्त्र है''
   (a) चार्वाक (b) जैन (c) योग (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
9. किसका कहना है कि 'पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु चार ही महाभूतों की सत्ता है।'
   (a) चार्वाक (b) बौद्ध (c) जैन (d) सांख्य
10. 'आकाश महाभूत की सत्ता नहीं है' कौन मानता है?
    (a) चार्वाक (b) बौद्ध (c) जैन (d) सांख्य
11. प्रजापति और इन्द्र–विरोचन सम्वाद में विरोचन किसका प्रतिनिधि है?
    (a) देहात्मवाद का (b) आत्मवाद का
    (c) बुद्धिवाद का (d) किसी का नहीं
12. 'चार्वाक' का अर्थ है–
    (a) मधुर–वाणी (b) मधुर–कर्म
    (c) मधुर–दृष्टि (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

13. चार्वाक विश्वास करता है–

(a) ईश्वरवाद में (b) अनिश्वरवाद में

(c) उपर्युक्त दोनों में (d) किसी में भी नहीं

14. चार्वाक है–

(a) वैदिक (b) अवैदिक (c) दोनों (d) कोई नहीं

15. चार्वाक विरोध करता है–

(a) वैदिक कर्मकाण्ड का (b) विज्ञान का

(c) दोनों का (d) किसी का भी नहीं

16. 'प्रत्यक्षम् किम् प्रमाणम्' किस दर्शन की उक्ति है?

(a) जैन दर्शन (b) चार्वाक दर्शन

(c) बौद्ध दर्शन (d) इनमें से कोई नहीं

17. चार्वाक के अनुसार चेतना का विकास होता है?

(a) आकाश से (b) भूत से

(c) मन से (d) प्राण से

18. चार्वाक इनमें से किस प्रमाण का खण्डन करता है

(a) शब्द प्रमाण का (b) अनुमान प्रमाण का

(c) अर्थापति का (d) इन सभी का

19. चार्वाक के अनुसार विश्व का निर्माण हुआ है

(a) चार महाभूतों के संयोग से (b) तीन महाभूतों के संयोग से

(c) दो महाभूतों के संयोग से (d) पाँच महाभूतों के संयोग से

20. 'यावत् जीवेत सुखं जीवेत् ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्' उक्ति है

(a) जैन दर्शन की (b) बौद्ध दर्शन की

(b) मीमांसा की (d) चार्वाक दर्शन की

21. 'मरणमेव अपवर्गः' यह किसका मत है?

(a) कपिल का (b) महावीर का (c) न्याय का (d) चार्वाक का

22. चार्वाक मानता है कि अनुमान प्रमाण असम्भव है, क्योंकि

(a) व्याप्ति की स्थापना प्रत्यक्ष से हो सकती है

(b) व्याप्ति की स्थापना अनुमान से हो सकती है

(c) व्याप्ति की स्थापना शब्द से हो सकती है

(d) व्याप्ति की स्थापना किसी भी साधन से नहीं हो सकती

23. चार्वाक के अनुसार चेतना

(a) एक स्वतन्त्र पदार्थ है (b) जड़ तत्त्व का उत्पाद है

(c) आत्मा का आकस्मिक गुण है (d) एकमात्र सत् है

24. 'काम एवैकः पुरुषार्थः' कथन है

(a) चार्वाक का (b) बौद्ध धर्म का

(c) जैन धर्म का (d) नैयायिकों का

25. निम्नलिखित में से कौन–सा एक चार्वाकों को मान्य नहीं है ?

(a) सुखवाद (b) प्रत्यक्ष

(c) चार महाभूत (d) अनुमान को प्रमाण के रूप में

26. 'चेतना शरीर का गुण है' यह मत है

(a) न्याय (b) जैन (c) चार्वाक (d) बौद्ध

27. 'जीवन का लक्ष्य खाना, पीना एवं मौज उड़ाना है' इस मत के समर्थक हैं

(a) चार्वाक (b) न्याय (c) मीमांसक (d) शंकर

28. चार्वाक नीतिशास्त्र को क्या कहते हैं ?

(a) सुखवादी (b) आदर्शवादी (c) मार्क्सवादी (d) यथार्थवादी

29. किसके अनुसार वेद पुरोहितों के झूठ और पुनरावृत्तियों से भरे हैं ?

(a) योग सम्प्रदाय (b) सांख्य

(c) चार्वाक (d) इनमें से कोई नहीं

30. स्वभाववाद का सिद्धान्त स्वीकृत है

(a) जैनमत द्वारा (b) बौद्ध मत द्वारा

(c) न्याय द्वारा (d) चार्वाक द्वारा

31. जैन धर्म के अन्तिम तीर्थंकर थे

(a) महावीर (b) ऋषभदेव

(c) पार्श्वनाथ (d) इनमें से कोई नहीं

32. जैन धर्म का कौन–सा सम्प्रदाय नग्नावस्था में रहता है ?

(a) श्वेताम्बर (b) दिगम्बर

(c) जिन (d) इनमें से कोई नहीं

33. वस्तुओं के आंशिक ज्ञान को कहते हैं ?

(a) नय (b) लय (c) विपर्यय (d) इनमें से कोई नहीं

34. जैन मत एक प्रकार का है

(a) अनुभववाद (b) विज्ञानवाद

(c) सापेक्षवाद (d) इनमें से कोई नहीं

35. जैन दर्शन के अनुसार द्रव्य

(a) सत् है (b) असत् है

(c) (a) और (b) दोनों है (d) इनमें से कोई नहीं

36. जैन दर्शन के अनुसार संसार है

(a) उत्पाद (b) व्यय (c) ध्रौव्य (d) उपर्युक्त तीनों

37. अजीव द्रव्य का एक अन्य नाम है

(a) आत्मा (b) चेतन (c) अचेतन (d) सुपरचेतन

38. पुद्गल के सबसे छोटे भाग को, जिसका विभाजन नहीं हो सकता कहते हैं

(a) परमाणु (b) अणु (c) दिक् (d) इनमें से कोई नहीं

39. स्पर्श, रस, गन्ध एवं वर्ण गुण हैं

(a) पुद्गल के (b) आकाश के

(c) काल के (d) इनमें से कोई नहीं

40. कुप्रवृत्तियों को जैन धर्म में कहते हैं

(a) कषाय (b) पुद्गल (c) दिक् (d) इनमें से कोई नहीं

41. जैन दर्शन के त्रिरत्न हैं

(a) सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् अज्ञान

(b) सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् निरोध

(c) सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् चरित्र

(d) सम्यक् दर्शन, सम्यक् संकल्प, सम्यक् चरित्र

42. जैन धर्म के पंचमहाव्रत हैं

(a) अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह

(b) अहिंसा, सत्य, अस्तेय, निग्रह, दुराग्रह

(c) सत्य, अस्तेय, अहिंसा, सहिष्णुता, प्रेम

(d) सत्य, अहिंसा, प्रेम, अस्तेय, अपरिग्रह

43. जैन धर्म उपासना करता है

(a) ईश्वर की (b) देवता की

(c) तीर्थकरों की (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

44. 'तत्त्वार्थसूत्र' के रचयिता हैं

(a) उमास्वामी (b) भगवान् महावीर

(c) ऋषभदेव (d) इनमें से कोई नहीं

45. जीव का पुद्गल से आक्रान्त हो जाना कहलाता है

(a) बन्ध (b) मोक्ष (c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

46. जीव का पुद्गल से वियोग होना कहलाता है?

(a) संवर (b) मोक्ष (c) आस्रव (d) निर्जरा

47. पुद्गलों का जीव की ओर प्रवाह रूक जाना कहलाता है?

(a) आस्रव (b) सँवर (c) मोक्ष (d) इनमें से कोई नहीं

48. कर्म पुद्गलों का सम्पूर्ण नाश हो जाना कहलाता है

(a) निर्जरा (b) संवर (c) मोक्ष (d) इनमें से कोई नहीं

49. जैन दर्शन में आत्मा को कहा गया है

(a) जीव (b) अजीव (c) पुद्गल (d) इनमें से कोई नहीं

50. जैन दर्शन का स्यादवाद है

(a) प्रत्ययवादी सापेक्षतावाद (b) वस्तुवादी सापेक्षता

(c) अनुभववादी (d) इनमें से कोई नहीं

51. जैन दर्शन का सार सिद्धान्त कहलाता है

(a) अनेकान्तदवाद (b) अद्वैतवाद

(c) द्वैतवाद (d) इनमें से कोई नहीं

52. आगन्तुक धर्मों को जैन दर्शन में कहते हैं

(a) गुण (b) पर्याय (c) विपर्यय (d) इनमें से कोई नहीं

53. 'अनन्त धर्मकम वस्तु' का सम्बन्ध है

(a) सापेक्षवाद से (b) अनेकान्तवाद से

(c) क्षणिकवाद से (d) बुद्धिवाद से

54. गुण द्रव्य का है

(a) सहायक धर्म (b) स्वरूप धर्म

(c) आगन्तुक धर्म (d) पूरक धर्म

55. पर्याय है द्रव्य का

(a) आगन्तुक धर्म (b) स्वरूप धर्म

(c) सहायक धर्म (d) इनमें से कोई नहीं

56. आकाश का ज्ञान होता है

(a) उपमान से (b) शब्द प्रमाण से

(c) अनुमान से (d) ये सभी

57. जैन दर्शन है

(a) भौतिकवादी (b) वस्तुवादी (c) क्रियावादी (d) प्रत्ययवादी

58. जैन दर्शनानुसार बन्धन का कारण है

(a) जीव का पुद्‌गल से वियोग

(b) जीव का पुद्‌गल से संयोग

(c) कर्म पुद्‌गल का नष्ट होना

(d) इनमें से कोई नहीं

59. जैन दर्शन के अनुसार 'केवली' वह है

(a) जो सर्वज्ञ है

(b) जिसे वस्तुओं का केवल सापेक्ष ज्ञान है

(c) जो केवल एकान्तवासी है

(d) जो दूसरों के उद्धार हेतु बार–बार जन्म होता है

60. जैन नीतिशास्त्र में निर्जरा है

(a) पुद्‌गलों का आत्मा में अन्तर्वाह न होना

(b) उन पुद्‌गलों का पूर्णतः समाप्त हो जाना, जिनके साथ आत्मा पहले से है

(c) आत्मा में संस्कार का समाप्त हो जाना

(d) आत्मा में स्मृति का पूर्ण क्षय हो जाना

61. बौद्ध धर्म के विचारों का संकलन है

(a) अभिधम्मपिटक (b) सुत्तपिटक

(c) विनयपिटक (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

62. महात्मा बुद्ध की शिक्षा का सारांश निहित है

(a) योग में (b) चार आर्य सत्यों में

(c) स्यादवाद में (d) किसी में भी नहीं

63. बुद्ध ने द्वादशनिदान दिया है

(a) प्रथम आर्य सत्य में (b) द्वितीय आर्य सत्य में

(c) तृतीय आर्य सत्य में (d) द्वितीय एवं तृतीय आर्य सत्य में

64. मोक्ष प्राप्त व्यक्ति को बौद्ध दर्शन में कहते हैं

(a) योगी (b) अर्हत (c) केवली (d) इनमें से कोई नहीं

65. अष्टांगिक मार्ग की चर्चा है

(a) प्रथम आर्य सत्य में (b) द्वितीय आर्य सत्य में

(c) तृतीय आर्य सत्य में (d) चतुर्थ आर्य सत्य में

66. बौद्ध दर्शन में न्यायपूर्ण जीवकोपार्जन को बनाए रखना कहलाता है

(a) सम्यक् आजीव (b) सम्यक् कर्मान्त

(c) सम्यक् व्यायाम (d) इनमें से कोई नहीं

67. ''किसी कारण के बिना किसी भी घटना का आविर्भाव नहीं हो सकता।'' किसका अर्थ है

(a) क्षणिवाद (b) प्रतीत्यसमुत्पाद

(c) उच्छेदवाद (d) शाश्वतवाद

68. वस्तु की उत्पत्ति, स्थिति व विनाश तीनों एक ही क्षण होते हैं। यह मत कहलाता है

(a) शाश्वतवाद (b) प्रतीत्यसमुत्पाद (c) क्षणिकवाद (d) उच्छेदवाद

69. 'न पूर्णतः नित्यवाद है और न ही विनाशवाद' यह सिद्धान्त है

(a) शाश्वतवाद (b) उच्छेदवाद

(c) मध्यममार्ग (d) इनमें से कोई नहीं

70. आत्मा के सम्बन्ध में बौद्ध मत है

(a) अनात्मवादी (b) स्पष्टवादी

(c) आत्मवादी (d) इनमें से कोई नहीं

71. द्वादश निदान का प्रथम अंग है

(a) अविद्या (b) संस्कार (c) विज्ञान (d) नाम–रूप

72. मनुष्य पाँच स्कन्धों का योग है, जिसे कहते हैं?

(a) स्कन्ध (b) रंग (c) स्पर्श (d) पंच स्कन्ध

73. बौद्ध दर्शन की इनमें से कौन–सी एक शाखा नहीं हैं?

(a) विज्ञानवाद (b) सौत्रान्तिक (c) वैभाषिक (d) नैयायिक

74. शून्यवाद की आधारशिला है

(a) माध्यमिककारिका (b) सांख्यकारिका

(c) चतुःशतिका (d) इनमें से कोई नहीं

75. 'माध्यमिककारिका' के रचयिता हैं

(a) नागार्जुन (b) असंग

(c) अश्वघोष (c) वसुमित्र

76. योगाचार दर्शन के प्रतिष्ठापक आचार्य हैं

(a) असंग (b) वसुमित्र (c) दिङ्नाग (d) ये सभी

77. 'आत्मद्वीपो भव' मूलमन्त्र है

(a) बुद्ध (b) शंकर (c) पतंजलि (d) महावीर

78. माध्यमिक सम्प्रदाय स्वीकार करता है

(a) विश्व सत् है (b) विश्व असत् है

(c) विश्व शून्य है (d) (b) और (c) दोनों

79. द्वादशनिदान को कहते हैं

(a) द्रव्य चक्र (b) ज्ञान चक्र

(c) विज्ञान चक्र (d) संसार चक्र

80. विज्ञानवाद के अनुसार मूलतत्त्व है

(a) बाह्य वस्तु (b) पुद्‌गल (c) शून्य (d) विज्ञान

81. महायान किस पर बल देता है?

(a) बोधिसत्व की प्राप्ति पर (b) निर्वाण पर

(c) दुःख विनाश पर (d) ये सभी

82. विज्ञानवाद को कहते हैं

(a) वस्तुनिष्ठ प्रत्ययवाद (b) निरपेक्ष प्रत्ययवाद

(c) सापेक्षवाद (d) आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद

83. बौद्धधर्म में आर्य सत्य हैं

(a) 2 (b) 3 (c) 4 (d) 6

84. जैन दर्शन के अनुसार मति व श्रुति ज्ञान है

(a) पारलौकिक (b) लौकिक (c) केवली (d) इनमें से कोई नहीं

85. बौद्ध दर्शन के अनुसार 'स्वलक्षण' सम्बन्धित है

(a) अनुमान से (b) प्रत्यक्ष से

(c) (a) और (b) दोनों से (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

86. बुद्ध दो अतियों के बीच एक मध्य मार्ग खोजते हैं, जो है

(a) चिन्तन और कर्म (b) संयोग और आवश्यकता

(c) आसक्ति और आत्म यातना (d) सत् और असत्

87. बौद्ध दर्शन में नैरात्मवाद के दो प्रकार हैं

(a) धर्म नैरात्म और अधर्म नैरात्म

(b) पुद्‌गल नैरात्म और धर्म नैरात्म

(c) पुद्‌गल नैरात्म और अधर्म नैरात्म

(d) पुद्‌गल नैरात्म और विज्ञान नैरात्म

88. विपश्यना सिद्धान्त का सम्बन्ध है

(a) जैन दर्शन से (b) बौद्ध दर्शन से

(c) मीमांसा दर्शन से (d) न्याय दर्शन से

89. धर्मकाय सम्बन्धित है

(a) न्याय दर्शन से (b) वेदान्त दर्शन से

(c) बौद्ध दर्शन से (d) इनमें से कोई नहीं

90. निर्वाण का अर्थ है

(a) तृष्णाओं का विनाश (b) भवचक्र का रूकना

(c) संस्कारों का अन्त (d) ये सभी

91. बौद्ध दर्शन के अनुसार पाँच स्कन्ध हैं

(a) भव, जाति, अविद्या, संस्कार और विज्ञान

(b) रूप, वेदना, संज्ञा, संस्कार और विज्ञान

(c) स्पर्श, नामरूप, भव, जाति और उपादान

(d) अविद्या, संस्कार, विज्ञान, नामरूप और स्पर्श

92. 'धर्मचक्र प्रवर्तन' का सम्बन्ध है

(a) जैन दर्शन से (b) बौद्ध दर्शन से

(c) सांख्य दर्शन से (d) मीमांसा से

93. न्याय दर्शन के संस्थापक हैं

(a) महर्षि गौतम (b) शंकर (c) बुद्ध (d) कपिल

94. 'न्याय–सूत्र' किसके द्वारा लिखा हुआ है

(a) महर्षि गौतम (b) शंकर (c) बुद्ध (d) कपिल

95. न्याय–दर्शन कितने प्रमाण मानता है

(a) चार (b) दो (c) एक (d) पाँच

96. शंकर ने सांख्य के किस मत का खण्डन किया है?

(a) द्वैतवाद (b) परमाणुवाद (c) विकासवाद (d) एकत्ववाद

97. न्यायदर्शन के अनुसार व्याप्ति है

(a) हेतु व साध्य के बीच (b) साध्य व पक्ष के बीच

(c) हेतु व पक्ष के बीच (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

98. न्याय दर्शन के अनुसार वेद वाक्य प्रमाण है, क्योंकि

(a) वे रचित नहीं है

(b) वे व्यक्ति द्वारा रचित नहीं हैं

(c) अतीन्द्रिय सत्ता का प्रतिपादन करते हैं

(d) वे ईश्वर द्वारा रचित हैं

99. न्याय दर्शन का पंचावयव सिद्धान्त का सही क्रम है

(a) अनुमान, निगमन, परामर्श, हेतु, व्याप्ति

(b) प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण, उपनय, निगमन

(c) हेतु, उदाहरण, उपनय, व्याप्ति, निष्कर्ष

(d) अनुमान, प्रमाण, हेतु, उपनय, निगमन

100.वैशेषिक दर्शन के अनुसार समवाय

(a) अनिवार्य सम्बन्ध है (b) आगन्तुक सम्बन्ध है

(c) गुण है (d) पर्याय है

101.न्याय दर्शन के अनुसार प्रमाण है

(a) प्रत्यक्ष एवं अनुमान (b) प्रत्यक्ष, अनुमान एवं शब्द

(c) प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द, उपमान (d) अनुमान एवं अर्थापत्ति

102.'अदृष्ट' को मानता है

(a) न्याय (b) बौद्ध (c) सांख्य (d) इनमें से कोई नहीं

103.'चेतना आत्मा का आवश्यक लक्षण नहीं है' यह किसका कथन है ?

(a) न्याय दर्शन (b) बौद्ध दर्शन

(c) चार्वाक दर्शन (d) जैन दर्शन

104.न्याय तर्कशास्त्र के अनुसार परार्थानुमान के कितने अवयव हैं ?

(a) 5 (b) 3 (c) 2 (d) 4

105.वैशेषिक के अनुसार निम्नलिखित पदार्थों में से किस एक में सामान्य नहीं होता ?

(a) द्रव्य (b) गुण (c) कर्म (d) समवाय

106.वैशेषिक के अनुसार 'विशेष'

(a) स्वतन्त्र पदार्थ है (b) परतन्त्र पदार्थ है

(c) गुण है (d) मन का प्रत्यय है

107.प्रमाण–प्रमेय आदि के तत्त्वज्ञान से निःश्रेयस की प्राप्ति होती है, यह मत है

(a) सांख्य का (b) न्याय–वैशेषिक का

(c) बौद्ध दर्शन का (d) जैन दर्शन का

108.'इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष जन्यं ज्ञानं प्रत्यक्षम्' यह कहा गया है

(a) चार्वाक द्वारा (b) जैन द्वारा

(c) न्याय द्वारा (d) बौद्ध द्वारा

109.न्याय वैशेषिक के अनुसार 'अभाव' का ज्ञान होता है

(a) प्रत्यक्ष द्वारा (b) अनुमान द्वारा

(c) उपमान द्वारा (d) शब्द प्रमाण द्वारा

110.निम्नलिखित में से कौन–सा 'समवाय' का सही वर्णन करता है ?

(a) यह अनित्य एवं अपृथक् है

(b) नित्य व अपृथक् सम्बन्ध है

(c) नित्य व पृथक सम्बन्ध है

(d) अनित्य व पृथक् सम्बन्ध है

111.वैशेषिक के अनुसार विशेषों की स्थिति निम्नलिखित में से किसमें होती है?

(a) परमाणु (b) आत्मा (c) मन (d) दिक्

112.कणाद के वैशेषिक के अनुसार द्रव्यों की संख्या है?

(a) 9 (b) 7 (c) 5 (d) 11

113.वैशेषिक के 'अभाव' के सम्बन्ध में कौन–सा कथन सत्य है?

(a) अभाव सत् नहीं है (b) अभाव एक गुणभाव है

(c) अभाव एक पदार्थ है (d) अभाव एक पर्याय है

114.न्याय के अनुसार प्रमा का लक्षण है

(a) यथार्थ अनुभव (b) स्मृति

(c) स्मृति–प्रमोश (d) इनमें से कोई नहीं

115.वैशेषिकों के अनुसार 'घट में पट का अभाव' है?

(a) पाकभाव

(b) प्रध्वंसाभाव

(c) अत्यन्ताभाव

(d) अन्योन्याभाव

116.न्याय दर्शन में 'अव्यपदेश्य' शब्द का प्रयोग किस प्रकार के ज्ञान के लिए किया गया है?

(a) नाम, जाति आदि से रहित सविकल्प ज्ञान

(b) नाम, जाति आदि से रहित निर्विकल्प ज्ञान

(c) नाम, जाति आदि सहित सविकल्प ज्ञान

(d) नाम, जाति आदि सहित निर्विकल्प ज्ञान

117.वैशेषिक के अनुसार जगत् की रचना का आरम्भ सम्भव होता है

(a) अणुओं के संयोजन के कारण

(b) ईश्वर के हस्तक्षेप के कारण

(c) अनुष्ठानों के सम्पादन के कारण

(d) पंचतत्वों के संयोजन के कारण

118.न्याय दर्शन में भ्रम विषयक सिद्धान्त कहलाता है?

(a) ख्यातिवाद (b) विपरीत ख्यातिवाद

(c) अन्यथा ख्यातिवाद (d) आत्म ख्यातिवाद

119.वैशेषिक के अनुसार निम्नलिखित में से कौन–सा अन्योन्याभाव की सही अभिव्यक्ति है ?

(a) घट पट नहीं है (b) घट उत्पन्न होगा

(c) घट टूट गया है (d) कमरे में घट विद्यमान नहीं है

120.वैशेषिकों के अनुसार निम्नलिखित में से किन द्रव्यों में परमाणु नहीं होते ?

(a) पृथ्वी तथा जल (b) जल तथा तेज

(b) कॉल एवं देश (d) तेज एवं वायु

121.न्याय के अनुसार अवयव और अवयवी के बीच निम्नलिखित में से कौन–सा सम्बन्ध सही है ?

(a) संयोग (b) स्वरूप (c) तादात्मय (d) समवाय

122.उत्पत्ति के पूर्व कारण में कार्य का अभाव कहलाता है

(a) प्रागभाव (b) अन्योन्याभाव

(c) प्रध्वंसाभाव (d) उपर्युक्त सभी

123.न्याय दर्शन की प्रमाणमीमांसा है

(a) वस्तुवादी (b) यथार्थवादी

(c) प्रत्ययवादी (d) इनमें से कोई नहीं

124.न्याय के अनुसार ज्ञान आत्मा का लक्षण है

(a) अनिवार्य (b) आगन्तुक

(c) सामान्य (d) इनमें से कोई नहीं

125.यथार्थ अनुभव कहलाता है

(a) प्रमा (b) अप्रमा

(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

126.प्रमा भिन्न है

(a) स्मृति से (b) प्रमाता से

(c) आत्मा से (d) इनमें से कोई नहीं

127.'ईश्वर अचेतन अदृष्ट के संचालक हैं' कथन है

(a) न्याय का (b) सांख्य का (c) योग का (d) शंकर का

128.असत्कार्यवाद को स्वीकार करता है

(a) न्याय (b) सांख्य (c) योग (d) इनमें से कोई नहीं

129.सही समुच्चय का चयन करें

(a) सामान्य लक्षण, ज्ञान लक्षण, केवल

(b) सामान्य लक्षण, केवल, अवधि

(c) सालोक्य, सामान्य लक्षण, योगज

(d) सामान्य लक्षण, ज्ञान लक्षण, योगज

130.'आकाश कुसुम' यह किसका उदाहरण है?

(a) पूर्वाभाव (b) उर्ध्वसाभाव

(c) अन्योन्याभाव (d) अत्यन्ताभाव

131.वैशेषिक के अनुसार 'गधा घोड़ा नहीं है' निम्नलिखित में से किसका उदाहरण है?

(a) प्रागभाव (b) ध्वंसाभाव

(c) अत्यन्ताभाव (d) अन्योन्याभाव

132.वैशेषिकों के अनुसार जगत् का समवायीकारण कौन–सा है?

(a) परमाणु (b) द्वयगुण (c) त्रसरेणु (d) इनमें से कोई नहीं

133.पट–तन्तु के बीच कौन–सा सम्बन्ध है

(a) संयोग (b) स्वरूप (c) समवाय (d) इनमें से कोई नहीं

134.अवयव और अवयवी के बीच समवाय सम्बन्ध का प्रतिपादन किसने किया है?

(a) न्याय (b) बौद्ध (c) जैन (d) चार्वाक

135.नैयायिकों द्वारा प्रतिपादित ख्याति का सिद्धान्त है

(a) विवेक ख्यातिवाद (b) अख्यातिवाद

(c) अनिर्वचनीय ख्यातिवाद (d) अन्यथा ख्यातिवाद

136.कौन प्रामाण्य एवं अप्रामाण्य दोनों को परतः मानता है

(a) न्याय (b) मीमांसा (c) सांख्य (d) योग

137.'आग से सींचो' के अभिकथन में निम्न स्थिति की कमी है

(a) आकांक्षा (b) योग्यता (c) सन्निधि (d) तात्पर्य

138.नैयायिकों के अनुसार अतीन्द्रिय किस प्रकार का ज्ञान है?

(a) सविकल्पक प्रत्यक्ष (b) निर्विकल्पक प्रत्यक्ष

(c) शब्दबोध (d) अनुमिति

139.बहने वाली नदी में कीचड़ वाला जल देखने पर पूर्ववर्ती वर्षा के अनुमान का उदाहरण प्रस्तुत करता है

(a) शेववत् अनुमान का (b) पूर्ववत् अनुमान का

(c) (a) और (b) दोनों (d) उपमान का

140.न्याय–दर्शन के अनुसार बोधगम्य वाक्य की चार शर्तों का सही क्रम है

(a) आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि एवं तात्पर्य

(b) योग्यता, सन्निधि, तात्पर्य एवं आकांक्षा

(c) सन्निधि, योग्यता, तात्पर्य एवं आकांक्षा

(d) सन्निधि, तात्पर्य, आकांक्षा एवं योग्यता

141.व्याप्ति एक सम्बन्ध है

(a) पक्ष एवं हेतु के मध्य (b) पक्ष एवं साध्य के मध्य

(c) सपक्ष एवं साध्य के मध्य (d) हेतु एवं साध्य के मध्य

142.परार्थानुमान किसका भेद है

(a) अनुमान का (b) प्रत्यक्ष का

(c) उपमान का (d) शब्द का

143.वैशेषिक दर्शन बहुलतावादी और वस्तुवादी है, कथन है–

(a) सत्य (b) असत्य

(c) संदेहास्पद (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

144.वैशेषिक ने पदार्थ को दो श्रेणियों में बाँटा, भाव और ....

(a) द्रव्य (b) यथार्थ (c) अभाव (d) अभिधेय

145.'पक्षधर्मता' है

(a) हेतु का गुण (b) साध्य का गुण

(c) पक्ष का गुण (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

146.न्याय सम्प्रदाय के अनुसार क्या अनुमान ज्ञान का दूसरा स्रोत है ?

(a) हाँ (b) नहीं (c) दोनों (d) कुछ कहा नहीं जा सकता

147. इन्द्रिय सन्निकर्ष से उत्पन्न ज्ञान का सही क्रम न्याय दर्शन के अनुसार है

(a) पदार्थ–इन्द्रिय–मन–आत्मा (b) इन्द्रिय–पदार्थ–मन–आत्मा

(c) आत्मा–मन–इन्द्रिय–पदार्थ (d) आत्मा–मन–इन्द्रिय–आत्मा

148.अभाव एक पदार्थ है, परन्तु प्रमाण नहीं, यह मत है

(a) मीमांसा का (b) बौद्ध दर्शन का

(c) न्याय वैशेषिक का (d) चार्वाक का

149.न्याय दर्शन के अनुसार ईश्वर

(a) जगत् का उपादान कारण है

(b) जगत का निमित्त कारण है

(c) (a) और (a) दोनों

(d) इनमें से कोई नहीं

150.न्याय दर्शन में अलौकिक प्रत्यक्ष तीन प्रकार का होता है उदाहरणार्थ सामान्य लक्षण, ज्ञान लक्षण और

(a) योगज् (b) मनस् (c) अवधि (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

151.सांख्य दर्शन के प्रवर्तक हैं

(a) महर्षि गौतम (b) महर्षि कपिल

(c) महर्षि पतंजलि (d) महर्षि कणाद

152.सांख्य के अनुसार सत्त्व गुण, निम्नलिखित में से किस रंग से पहचाना जाता है,

(a) सफेद (b) काला (c) नीला (d) लाल

153.सांख्य दर्शन में गुणों की संख्या है?

(a) 2 (b) 3 (c) 4 (d) 6

154.सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति एवं गुणों में

(a) तात्त्विक सम्बन्ध है (b) संयोग सम्बन्ध है

(c) स्वरूप सम्बन्ध है (d) विरोध सम्बन्ध है

155.त्रिगुण साम्यावस्था का नाम है

(a) पुरुष (b) प्रकृति (c) संयोग (d) समुदाय

156.सांख्य सिद्धान्त के अनुसार विकास का सही क्रम है

(a) अहंकार, ज्ञानेन्द्रियाँ, महत्

(b) महत्, अहंकार, ज्ञानेन्द्रियाँ

(c) ज्ञानेन्द्रियाँ, अहंकार, महत्

(d) महत्, ज्ञानेन्द्रियाँ, अहंकार

157.निम्न में से कौन–सा युग्म अंसगत है?

(a) माठरवृत्ति – गौडपाद

(b) तत्त्व कौमुदी – वाचस्पति मिश्र

(c) सांख्य प्रवचन भाष्य – विज्ञानभिक्षु

(d) सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण

158.निम्न में से कौन–सा एक कथन असत्य है?

(a) सांख्य दर्शन का मुख्य आधार सत्कार्यवाद है

(b) सांख्य केवल दो मूल तत्वों को मानता है

(c) प्रकृति त्रिगुणात्मक है

(d) मोक्ष की प्राप्ति प्रकृति को होती है

159.निम्न में से कौन–सा युग्म असंगत है?

(a) पृथ्वी–गन्ध (b) आकाश–शब्द (c) जल–रस (d) वायु–रूप

160.भौतिक पदार्थ के कारण उत्पन्न दुःख कहलाता है

(a) आध्यात्मिक दुःख (b) अधिभौतिक दुःख

(c) अधिदैविक दुःख (d) इनमें से कोई नहीं

161.सांख्य दर्शन में पुरुष का स्वरूप है

(a) चेतन और सक्रिय (b) चेतन और निष्क्रिय

(c) अचेतन और सक्रिय (d) अचेतन और निष्क्रिय

162.सांख्य के अनुसार प्रकृति के ज्ञान का साधन है

(a) प्रत्यक्ष (b) अनुमान (c) शब्द (d) उपमान

163.सांख्य के अनुसार मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है

(a) भक्ति के द्वारा (b) कर्म के द्वारा

(c) ज्ञान के द्वारा (d) इनमें से कोई नहीं

164.सांख्य के अनुसार गुण क्षोभ का अर्थ है

(a) त्रिगुण का विनाश

(b) त्रिगुण की साम्यावस्था का भंग होना

(c) त्रिगुण का अपरिवर्तित रहना

(d) त्रिगुण की उत्पत्ति होना

165.निम्नलिखित में से कौन–सा सांख्य मतानुसार असत्य है?

(a) प्रकृति केवल कारण है

(b) पुरुष न तो कारण है, न कार्य

(c) पंचमहाभूत कारण व कार्य दोनों है।

(d) इन्द्रियाँ केवल कार्य हैं

166.निम्नलिख्ति में से किसके अनुसार मोक्ष की अवस्था सत् एवं चित् की अवस्था है, परन्तु आनन्द की नहीं?

(a) सांख्य (b) न्याय (c) बौद्ध (d) जैन

167.ज्ञान स्वतः प्रामाण्य तथा स्वतः अप्रमाण्य है, मत है

(a) बौद्ध का (b) न्याय का (c) जैन का (d) सांख्य का

168.निम्नलिखित में से कौन–सा एक सांख्य को मान्य नहीं है?

(a) प्रकृति निर्गुण है एवं पुरुष त्रिगुणात्मक है

(b) प्रकृति भोग्य है एवं पुरुष त्रिगुणात्मक है

(c) प्रकृति जड़ है एवं पुरुष चेतन है

(d) प्रकृति सक्रिय है तथा पुरुष निष्क्रिय है

169.सांख्य की प्रकृति की धारणा के सम्बन्ध में कौन–सा सही नहीं है ?

(a) यह जड़ है (b) यह त्रिगुणात्मक है

(c) यह त्रिगुणातीत है (d) यह सक्रिय है

170.सांख्य के पुरुष के सम्बन्ध में विचार कीजिए

1. पुरुष चेतन है 2. पुरुष कर्ता है

3. पुरुष भोक्ता है 4. पुरुष समस्त ज्ञान का अधिष्ठान है

उपरोक्त में कौन–से कथन सही हैं ?

(a) 1,2 और 3 (b) 1,3 और 4

(c) 2,3 और 4 (d) 1,2 और 4

171.सांख्य के अनुसार दुःखों का आत्यान्तिक निरास हो सकता है

(a) औषधियों द्वारा (b) ईश्वर की अराधना द्वारा

(c) अनुष्ठानों द्वारा (d) विवेक ज्ञान द्वारा

172.सत्कार्यवाद सम्बन्धित है

(a) सांख्य से (b) न्याय से

(c) योग से (d) जैन से

173.सांख्य का सत्कार्यवाद हमें स्वीकार करवाता है

(a) असत् से सत् की उत्पत्ति

(b) कारण को कार्य के रूप में व्यक्त होना

(c) कारण का कार्य के रूप में विवर्त

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

174.सांख्य दर्शन में बुद्धि है

(a) केवल विकृति (b) केवल प्रकृति

(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

175.सांख्य सम्प्रदाय स्वीकार करता है

(a) प्रत्यक्ष, शब्द, उपमान प्रमाण

(b) प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द प्रमाण

(c) अनुमान, शब्द, उपमान प्रमाण

(d) अनुमान, शब्द, अर्थापति

176.सांख्य के अनुसार त्रिगुण हैं

(a) प्रकृति के विशेषण (b) प्रकृति के अन्तरंग घटक तत्व

(c) प्रकृति से भिन्न (d) प्रकृति के आधार

177.सांख्य का मत है

(a) प्रकृति आभास है एवं पुरुष वास्तविक है

(b) प्रकृति वास्तविक है एवं पुरुष अवास्तविक है

(c) दोनों वास्तविक सताएँ हैं

(d) दोनों अवास्तविक हैं

178.पुरुष बहुत्व का सिद्धान्त............सम्प्रदाय से सम्बन्धित है।

(a) न्याय (b) वेदान्त (c) मीमांसा (d) सांख्य

179.'सांख्यकारिका' किसकी रचना है

(a) गौतम (b) शंकर (c) ईश्वरकृष्ण (d) इनमें से कोई नहीं

180.'प्रकृति में कर्तृत्व तथा पुरुष में भोक्तृत्व' मत के समर्थक कौन हैं?

(a) सांख्य (b) मीमांसा (c) जैन (d) न्याय

181.सांख्य संसार को मानता है

(a) सुखात्मक (b) दुःखात्मक (c) जड़ (d) मिथ्या

182.सांख्य निम्न में से किसे जगत् के आदि कारण के रूप में स्वीकार करता है?

(a) प्रकृति (b) पुरुष (c) ईश्वर (d) आत्मा

183.किसी कारण से कार्य इसलिए उत्पन्न होता है, क्योंकि कारण में कार्य को उत्पन्न करने की शक्ति है, मत है

(a) न्याय का (b) सांख्य का (c) जैन का (d) बौद्ध का

184.प्रकृति और पुरुष का सिद्धान्त किसमें है?

(a) बौद्ध दर्शन (b) जैन दर्शन

(c) सांख्य दर्शन (d) न्याय दर्शन

185.सांख्य दर्शन में स्वीकृत प्रमाणों की संख्या है

(a) 2 (b) 3 (c) 4 (d) 5

186.सांख्य के अनुसार प्रकृति है

(a) सक्रिय व चेतन (b) निष्क्रिय व चेतन

(c) सक्रिय व अचेतन (d) निष्क्रिय व अचेतन

187.अहंकार उत्पन्न होता है

(a) महत् से (b) हृदय से

(c) प्रकृति से (a) इनमें से कोई नहीं

188.'असत्करणात्' का तात्पर्य है

(a) असत् से सत की उत्पति होती है

(b) असत् से सत् की उत्पति नहीं होती

(c) असत् से असत् की उत्पति होती है

(d) उपरोक्त में कोई नहीं

189.मोक्ष को कैवल्य के रूप में स्वीकार किया गया है

(a) न्याय (b) सांख्य (c) वैशेषिक (d) योग

190.सांख्य का पुरुष

(a) कारण–कार्य से परे है (b) कारण–कार्य श्रृंखला से युक्त है

(c) कारण है (d) इनमें से कोई नहीं

191.योगदर्शन के प्रवर्तक हैं

(a) पतंजलि (b) कपिल (c) महावीर (d) व्यास

192.योगदर्शन के ईश्वर की अवधारणा के सम्बन्ध में कौन–सा कथन सही है ?

(a) वह जगत् का स्रष्टा है

(b) वह शुभ कर्मों का पुरस्कार तथा पाप कर्मों का दण्ड देता है

(c) वह उद्धारकर्ता है

(d) वह समाधि के मार्ग में आने वाले विघ्नों को दूर करता है

193.निम्नलिखित में से योग के अनुसार चित्तभूमि के प्रकार हैं

(a) एक (b) दो (c) तीन (d) पाँच

194.योगदर्शन के अनुसार क्लेश के प्रकार है–

(a) चार (b) पाँच (c) आठ (d) ग्यारह

195.निम्नलिखित में कौन–सा योग द्वारा बताई गई चित्त भूमि में सम्मिलित नहीं है ?

(a) एकाग्र (b) विकल्प (c) क्षिप्त (d) निरुद्ध

196.योगदर्शन के अनुसार अभिनिवेश एक प्रकार का क्लेश है। इसका तात्पर्य है

(a) जीवन के प्रति आसक्ति तथा स्वर्ग की आकांक्षा

(b) मृत्यु का भय तथा स्वर्ग की आकांक्षा

(c) जीवन के प्रति आसक्ति तथा मृत्यु का भय

(d) प्रकृति के गुणों का पुरुष पर आरोपण

197.योगदर्शन में चित्त वृत्तियाँ हैं–

(a) 5 (b) 3 (c) 4 (d) 2

198.योगदर्शन के अनुसार इनमें कौन–सी एक चित्तवृत्ति नहीं हैं ?

(a) प्रमाण (b) निद्रा (c) स्मृति (d) कल्पना

199.योगदर्शन के अनुसार योग का अर्थ है

(a) ईश्वर साक्षात्कार (b) कर्म में कुशलता
(c) समन्वय (d) चित्तवृत्तियों का निरोध

200.योगदर्शन के पाँच क्लेश हैं

(a) अविद्या, अस्मिता, संस्कार, राग, द्वेष
(b) अविद्या, राग, द्वेष, तृष्णा, अभिनिवेश
(c) राग, द्वेष, अविद्या, भव, स्तेय
(d) अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष, अभिनिवेश

201.योग के अनुसार कौन अन्तरंग योग नहीं है ?

(a) प्रत्याहार (b) धारणा (c) ध्यान (d) समाधि

202.पतंजलि के अष्टांग योग के अनुसार निम्नलिखित में से कौन–सा सम्प्रज्ञात समाधि का प्रकार नहीं है ?

(a) सवितर्क (b) सविचार (c) सानन्द (d) प्रकृति लय

203.योगदर्शन के अष्टांग योग के नियम में निम्नलिखित में से कौन समाहित नहीं है ?

(a) स्वाध्याय (b) सन्तोष (c) ब्रह्मचर्य (d) ईश्वर प्रणिधान

204.योग का अर्थ है 'चित्तवृत्तियों का निरोध' यह किसने प्रतिपादित किया है ?

(a) बुद्ध (b) पतंजलि (c) महावीर (d) शंकर

205.'योगसूत्र' के लेखक हैं

(a) गौतम (b) ईश्वर कृष्ण (c) कणाद (d) पतंजलि

206.योगदर्शन के अनुसार अहिंसा क्या है ?

(a) यम (b) धर्म (c) नियम (d) विधि

207.योग कितने तत्वों को स्वीकार करता है ?

(a) 25 (b) 26 (c) 24 (d) 28

208.पतंजलि के 'योगसूत्र' के भाष्यकार हैं

(a) वाचस्पति मिश्रम (b) विज्ञान भिक्षु
(c) व्यास (d) ईश्वर कृष्ण

209.योग के अष्टांग का चौथा अंग है

(a) प्रत्याहार (b) आसन (c) नियम (d) प्राणायाम

210.आवश्यकता से अधिक संचय न करना कहलाता है

(a) अपरिग्रह (b) अस्तेय (c) सत्य (d) अहिंसा

211.चित्त की किस अवस्था में तमोगुण का आधिपत्य होता है?

(a) क्षिप्त (b) मूढ़ (c) विक्षिप्त (d) एकाग्र

212.इन्द्रियों को बाह्य विषयों से हटाना कहलाता है

(a) धारणा (b) प्रत्याहार (c) ध्यान (d) प्राणायाम

213.असम्प्रज्ञात समाधि का एक अन्य नाम है

(a) निर्बीज समाधि (b) सबीज समाधि

(c) सास्मित समाधि (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

214.पतंजलि के योग की साम्यता है

(a) सांख्य से (b) न्याय से (c) बौद्ध से (d) जैन से

215.चित्त का आशय अन्तःकरण किसके अनुसार है?

(a) वाचस्पति मिश्र (b) प्रभाकर

(c) पतंजलि (d) इनमें से कोई नहीं

216.कुम्भक निम्नलिखित का प्रकार है

(a) यम (b) नियम (c) आसन (d) प्राणायाम

217.पतंजलि के अनुसार निम्नलिखित में से कौन–सा क्लेश नहीं है?

(a) अविद्या (b) अस्मिता (c) विपर्यय (d) द्वेष

218.पतंजलि के अष्टांग योग का सही क्रम है

(a) नियम, आसन, यम, प्रत्याहार, प्राणायाम, धारणा, ध्यान, समाधि

(b) यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि

(c) आसन, नियम, यम, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि

(d) यम, नियम, आसन, प्रत्याहार, प्राणायाम, धारणा, ध्यान, समाधि

219.पूरक, कुम्भक एवं रेचक किसके प्रकार हैं–

(a) आसन के (b) प्राणायाम के

(c) दोनों के (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

220.क्रियायोग में क्या नहीं है?

(a) तप (b) स्वाध्याय (c) ईश्वरप्रणिधान (d) कर्म

221.मीमांसा–सूत्र के रचयिता हैं

(a) जैमिनी (b) प्रभाकर (c) कुमारिल (d) इनमें से कोई नहीं

222.मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक कौन हैं?

(a) कपित (b) पतंजलि (c) जैमिनी (d) शंकर

223.मीमांसा दर्शन का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(a) उपनिषदों की आप्तता को स्थापित करना

(b) वेदों की आप्तता को स्थापित करना

(c) स्मृतियों की आप्तता को स्थापित करना

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

224.यह दृष्टिकोण किसका है कि वेद अपौरुषेय हैं

(a) जैमिनी (b) शंकर (c) गौतम (d) कपिल

225.'ज्ञाततावाद' किसका सिद्धान्त है?

(a) कुमारिल का (b) प्रभाकर का

(c) शंकर का (d) सांख्य का

226.प्रभाकर मानते हैं

(a) अभिहितान्वयवाद (b) अखण्ड वाक्यवाद

(c) अन्विताभिधानवाद (d) इनमें से कोई नहीं

227.ज्ञान के सिद्धान्त को 'ज्ञाततावाद' के रूप में जाना जाता है

(a) रामानुज का (b) कुमारिल का

(c) उदयन का (d) श्रीधर का

228.मीमांसा दर्शन मानता है

(a) ज्ञान स्वतः अप्रामाण्य है

(b) ज्ञान परतः प्रामाण्य है

(c) ज्ञान कभी–कभी स्वतः प्रामाण्य है

(d) ज्ञान स्वतः प्रामाण्य है

229.प्रभाकर मीमांसा की असाधारण विशेषता है

(a) ज्ञाततावाद (b) प्रतीत्यसमुत्पाद

(c) त्रिपुटि प्रत्यक्षवाद (d) अनेकान्तवाद

230.मीमांसा दर्शन स्वीकार करता है

(a) आत्मा को (b) स्वर्ग को (c) नरक को (d) ये सभी

231.मीमांसा खण्डन करता है

(a) अद्वैत के मायावाद का

(b) विशिष्टाद्वैत के अपृथक्सिद्धि सिद्धान्त का

(c) द्वैतवाद की माया का

(d) उपरोक्त सभी

232.'मीमांसा' का अर्थ है

(a) पूजित विचार (b) पूजित जिज्ञासा

(c) (a) और (b) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

233.प्रभाकर मिश्र निम्नलिखित में से किस ख्याति को मानते हैं?

(a) अख्याति (b) अन्यथाख्याति

(c) अनिर्वचनीय (d) विपरीत ख्याति

234.निम्नलिखित में से कौन-सा प्रमाण प्रभाकर मीमांसा को स्वीकार नहीं है?

(a) उपमान (b) अनुमान (c) अनुपलब्धि (d) अर्थापति

235.'अनुपलब्धि' को स्वतन्त्र प्रमाण किसने माना है?

(a) प्रभाकर (b) कुमारिल (c) गंगेश (d) जैमिनी

236.इस जगत् का न आदि है और न अन्त-यह कथन स्वीकृत है, किसे?

(a) मीमांसा (b) अद्वैतवेदान्त (c) सांख्य (d) शून्यवाद

237.अभिहितान्वयवाद शब्द और अर्थ का एक सिद्धान्त है- यह निम्नलिखित में से किसे मान्य है?

(a) कुमारिल (b) जैमिनी (c) प्रभाकर (d) उदयोद्कर

238.जैमिनी के अनुसार प्रमाण तीन हैं, परन्तु प्रभाकर ने दो और प्रमाणों को जोड़ा है, वे हैं

(a) अपोह एवं श्रुति (b) मनः पर्याय तथा अवधि

(c) उपमान एवं अर्थापत्ति (d) अन्तः प्रज्ञा तथा अर्थापति

239.निम्न में से कौन मानता है कि स्वर्ग प्राप्ति हेतु यज्ञ करना चाहिए?

(a) बौद्ध (b) सांख्य (c) अद्वैत (d) मीमांसा

240.मीमांसा दर्शन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य नहीं है?

(a) स्वतः प्रामाण्यवाद (b) ज्ञाततावाद

(c) त्रिपुटि प्रत्यक्षवाद (d) अन्यथा ख्यातिवाद

241.प्रभाकर के अनुसार स्मृति ज्ञान होता है

(a) यथार्थ (b) अयथार्थ (c) संशययुक्त (d) इनमें से कोई नहीं

242.अभिहितान्वयवाद का प्रतिपादन किसने किया है ?

(a) बौद्ध दर्शन (b) वेदान्त दर्शन

(c) मीमांसा दर्शन (d) न्याय दर्शन

243.कर्म सिद्धान्त में ईश्वर के अस्तित्व की पूर्व मान्यता नहीं है ?

(a) न्याय वैशेषिक (b) विशिष्टद्वैत

(c) मीमांसा (d) सांख्ययोग

244.पूर्वमीमांसा में अपूर्व की धारणा से अभिप्राय है

(a) उस शक्ति का जो कर्ता को कर्म से आबद्ध करती है

(b) वह स्थान जो पश्चिम में (c) एक चमत्कारी घटना का

(d) एक अभूतपूर्व कर्म का

245. पूर्वमीमांसा के अनुसार व्यक्ति अपने कर्मों का फल किनके द्वारा प्राप्त करता है ?

(a) ईश्वर (b) अपूर्व (c) अदृष्ट (d) आत्मन्

246.निम्नलिखित सम्प्रदायों में से कौन–सा ईश्वर की सत्ता स्वीकार नहीं करता ?

(a) योग (b) मीमांसा (c) न्याय (d) विशिष्टाद्वैत

247.विपरीतख्यातिवाद का प्रतिपादन किनके द्वारा किया गया ?

(a) प्रभाकर (b) कुमारिल (c) नागार्जुन (d) कणाद

248.पूर्वमीमांसकों की व्याख्या के अनुसार विधि है

(a) सामाजिक रूढ़ि (b) निर्वैयक्तिक आदेश

(c) ईश्वर का आदेश (d) प्राकृतिक नियम

249.'जगत् अनादि है' इस मत को मानते हैं

(a) मीमांसा (b) न्याय और मीमांसा

(c) न्याय और बौद्ध (d) बौद्ध और सांख्य

250.वेद वाक्य क्रियार्थक होते हैं। यदि वे क्रियार्थक नहीं होते हैं, तो वे निरर्थक हैं, यह मत है

(a) अद्वैत वेदान्त (b) मीमांसा (c) वैशेषिक (d) योग

251.वेदों को शाश्वत और अपौरूषेय किसने माना है ?

(a) न्याय (b) मीमांसा (c) सांख्य (d) विशिष्टाद्वैत

252.'देवदत्त मोटा है। वह दिन में कभी कुछ नहीं खाता। अतः वह रात्रि में अवश्य खाता होगा।' यह किसका उदाहरण है ?

(a) अर्थापति (b) अनुपलब्धि (c) अनुमान (d) उपमान

253.पारिभाषिक अर्थ में नास्तिक कौन है ?

(a) भौतिकवादी (b) अनीश्वरवादी

(c) कर्म एवं पुनर्जन्म में अविश्वास (d) वेदनिन्दक

254.मीमांसा दर्शन के अनुसार मोक्ष प्राप्त होना है।

(a) ज्ञान द्वारा (b) भक्ति द्वारा (c) समाधि द्वारा (d) कर्म द्वारा

255.प्रभाकर के अनुसार वेद विहित धार्मिक कृत्य करने का कारण

(a) सुख प्राप्ति की इच्छा है (b) दुःख से निवृत्ति है

(c) कर्त्तव्य बुद्धि है (d) विशेष इच्छा की सिद्धि है

256.आचार्य शंकर समर्थक हैं–

(a) द्वैतवाद का (b) अद्वैतवाद का (c) द्वैताद्वैत का (d) सभी का

257.'ब्रह्मसूत्रभाष्य' के लेखक हैं–

(a) आचार्य शंकर (b) कपिल (c) पतंजलि (d) प्रभाकर

258.'ब्रह्म सत्यं जगत मिथ्या, जीवोब्रह्मैव नापरः' कथन है–

(a) अद्वैत वेदान्त का (b) सांख्य का

(c) योग का (d) मीमांसा का

259.'ब्रह्म जगत् की उत्पत्ति, स्थिति तथा लय का कारण है' यह कथन है

(a) शंकर का (b) प्रभाकर का

(c) कपिल का (d) पतंजलि का

260.शंकराचार्य द्वारा न्याय वैशेषिक के किस मत का खण्डन किया गया है ?

(a) द्वैतवाद (b) परमाणुवाद (c) विकासवाद (d) एकत्ववाद

261. अद्वैत वेदान्त के अनुसार सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रमाण जो ब्रह्म का ज्ञान देता है, वह है

(a) प्रत्यक्ष (b) अनुमान (c) अर्थापत्ति (d) शब्द

262.अद्वैत वेदान्त के अनुसार माया है

(a) सत् (b) असत् (c) सतसतनिर्वचनीय (d) असत्

263. निम्नलिखित मतों में से शंकर किस मत का अनुमोदन करते हैं ?

(a) चेतना आत्मा का आवश्यक गुण है

(b) चेतना आत्मा का आकस्मिक गुण है

(c) चेतना आत्मा का स्वरूप है (d) इनमें से कोई नहीं

264.वेदान्त के प्रस्थानत्रयी के अन्तर्गत निम्नलिखित में से कौन शामिल नहीं है ?

(a) उपनिषद् (b) गीता (c) ब्रह्मसूत्र (d) रामायण

265.आचार्य शंकर के अनुसार माया का निराश होता है

(a) ब्रह्म से (b) ईश्वर से (c) श्रुति से (d) ज्ञान से

266.आचार्य शंकर किसके पक्षधर नहीं थे ?

(a) मायावाद (b) विवर्तवाद
(c) अद्वैतवाद (d) ज्ञान–कर्म–भक्ति समुच्चय

267.शंकराचार्य ब्रह्म में स्वीकार करते हैं

(a) सजातीय भेद (b) विजातीय भेद
(c) स्वगत भेद (d) इनमें से कोई नहीं

268.अद्वैत वेदान्त का भ्रम सिद्धान्त है

(a) अख्यातिवाद (b) असत् ख्यातिवाद
(c) अनिर्वचनीय ख्यातिवाद (d) विपरीत ख्यातिवाद

269.शंकराचार्य के अनुसार निम्नलिखित में से कौन–सा मोक्ष का लक्षण नहीं है ?

(a) वह अशरीरत्व है (b) वह उत्पन्न होता है
(b) वह नित्य है (d) वह पारमार्थिक है

270.‘‘जगत् व्यावहारिक दृष्टि से सत् है, लेकिन पारमार्थिक दृष्टि से असत् हैं यह मत है

(a) रामानुज का (b) शंकर का
(c) गौतम का (d) ईश्वर कृष्ण का

271.शंकराचार्य के अनुसार निम्नलिखित में से कौन प्रातिभासिक सत्ता है ?

(a) आकाश कुसुम (b) रज्जु–सर्प
(c) नाम–रूप–जगत् (d) इनमें से कोई नहीं

272.शंकर के अनुसार ईश्वर है

(a) मायापति (b) मायादास
(c) (a) और (b) दोनों (d) न तो (a) और न ही (b)

273.शंकर के अनुसार निम्नलिखित में कौन–सा एक कथन सत्य नहीं है ?

(a) माया अनादि है (b) माया अध्यास है
(c) माया अनिर्वचनीय है (d) माया अनन्त है

274.'जगत् ब्रह्म का विवर्त है' का तात्पर्य है

(a) ब्रह्म जगत के रूप में परिवर्तित नहीं, प्रतीत होता है

(b) ब्रह्म जगत् के रूप में परिवर्तित होता है

(c) ब्रह्म मिथ्या और जगत् सत्य है

(d) ब्रह्म और जगत् दोनों सत्य है

275.शंकर के अनुसार माया की शक्ति है

(a) आवरण (b) विक्षेप

(c) (a) एवं (b) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

276.शंकर के अद्वैतदर्शन में ईश्वर और जीव का भेद

(a) पारमार्थिक है (b) व्यावहारिक है

(c) प्रातिभासिक है (d) इनमें से कोई नहीं

277.विशिष्टाद्वैत मत के प्रतिपादक हैं

(a) शंकराचार्य (b) रामानुज (c) कपिल मुनि (d) मध्याचार्य

278.'आश्रयानुपपत्ति' रामानुज के द्वारा उठाई गई एक आपत्ति किस सिद्धान्त के विरुद्ध है?

(a) ब्रह्म (b) भ्रम (c) जगत् (d) माया

279.रामानुज के अनुसार ईश्वर

(a) निर्विशेष है (b) अनिर्वचनीय है

(c) सविशेष है (d) निराकार है

280.निम्नलिखित में से कौन–सा कथन रामानुज के ज्ञान–सिद्धान्त के सम्बन्ध में सत्य है?

(a) ज्ञान जीवात्मा का अनिवार्य गुण है

(b) ज्ञान जीवात्मा का स्वरूप है

(c) (a) और (b) दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

281.रामानुज के अनुसार ईश्वर–जीव के बीच निम्नलिख्ति में से कौन–सा सम्बन्ध नहीं होता?

(a) अपृथक्सिद्धि सम्बन्ध (b) पूर्ण तथा अंश सम्बन्ध

(c) अंग–अंगी सम्बन्ध (d) तादात्म्य सम्बन्ध

282.निम्नलिखित में से कौन–सा रामानुज के अनुसार चतुर्व्यूह के क्रम का सही वर्णन है?

(a) वासुदेव, संकर्षण, प्रद्युम्न एवं अनिरूद्ध

(b) वासुदेव, अनिरूद्ध, प्रद्युम्न एवं संकर्षण

(c) संकर्षण, प्रद्युम्न, वासुदेव एवं अनिरूद्ध

(d) प्रद्युम्न, अनिरूद्ध, संकर्षण एवं वासुदेव

283.रामानुज के अनुसार
(a) ईश्वर–समर्पण ही मनुष्य की मुक्ति है
(b) ईश्वर–ज्ञान ही मनुष्य की मुक्ति है
(c) मनुष्य निरपेक्ष रूप से मुक्त है
(d) मनुष्य की मुक्ति सम्भव नहीं है

284.निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा कथन रामानुज के अनुसार सत्य है?
(a) ईश्वर सजातीय, विजातीय भेदों से रहित है, किन्तु उसमें स्वगत भेद है
(b) ईश्वर सजातीय एवं विजातीय दोनों भेदों से रहित है
(c) ईश्वर केवल स्वगत भेदों से रहित है
(d) ईश्वर केवल सजातीय भेदों से रहित है

285.रामानुज के अनुसार ब्रह्म में भेद पाया जाता है
(a) सजातीय भेद (b) विजातीय भेद
(c) स्वगत भेद (d) इनमें से कोई नहीं

286.रामानुज के अनुसार चित् एवं अचित् ईश्वर से सम्बन्धित है
(a) तादात्म्य सम्बन्ध द्वारा (b) समवाय सम्बन्ध द्वारा
(c) अपृथक्सिद्धि सम्बन्ध द्वारा (d) संयोग सम्बन्ध द्वारा

287.'प्रमाणानुपपत्ति' का सम्बन्ध है
(a) नागार्जुन से (b) गौतम से
(c) रामानुज से (d) शंकर से

288.निम्नलिखित में से कौन–सा रामानुज का दार्शनिक मत है?
(a) शुद्ध–एकत्ववाद (b) अद्वैत
(c) विशिष्टाद्वैत (d) आध्यात्मिक बहुलतावाद

289.वह मत जिसके अनुसार सम्पूर्ण भौतिक जगत् एवं व्यक्तिगत आत्माएँ ब्रह्म का वास्तविक परिणाम हैं, उसे कहते हैं?
(a) प्रकृति परिणाम (b) ब्रह्म परिणामवाद
(c) ब्रह्म विवर्तवाद (d) असद् कार्यवाद

290.निम्नलिखित में से कौन–सा विचार रामानुज को मान्य नहीं है?
(a) ब्रह्म सविशेष है (b) ब्रह्म ही ईश्वर है
(c) जीव ईश्वर में मिल जाते हैं, उसकी स्वतन्त्र पहचान नहीं रहती (d) जीव ब्रह्म से अभिन्न नहीं है

291.रामानुज ने माना है कि

(a) जगत् तथा आत्मा भी उतनी ही सत् है, जितना कि स्वयं ईश्वर

(b) आत्मा उतनी ही सत् है जितना कि ईश्वर, परन्तु जगत् असत् है

(c) केवल ईश्वर ही सत् है, जगत् एवं आत्मा असत् है

(d) आत्मा यद्यपि सत् है, परन्तु ईश्वर द्वारा रचित एवं नष्ट की जाती है

292.'श्री भाष्य' के लेखक हैं–

(a) रामानुज (b) शंकर (c) कपित (d) उदयन

293.'श्री सम्प्रदाय' को कहा जाता है–

(a) विशिष्टाद्वैत (b) द्वैत (c) अद्वैत (d) कोई नहीं

294. विशिष्टाद्वैत को मान्य है–

(a) पांचरात्र आगम (b) ऋग्वेद का पुरुष सूक्त

(c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

295.'नवधा' भक्ति को स्वीकार कौन करता है ?

(a) शंकर (b) रामानुज (c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

296.'किसी निर्विकल्पक वस्तु का ज्ञान असम्भव है' कथन है–

(a) रामानुज (b) शंकर (c) दोनों (d) कोई नहीं

297.रामानुज के अनुसार 'स्मृति' का अर्थ है–

(a) उपासना (b) ज्ञान (c) योग (d) धर्म

298.'धर्मभूत' ज्ञान को स्वीकार करता है–

(a) रामानुज (b) शंकर (c) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

299.कौन मानता है कि 'जीव मोक्षावस्था में ब्रह्म का सायुज्य प्राप्त करता है–

(a) रामानुज (b) शंकर (c) कपिल (d) प्रभाकर

300.'नित्यविभूति' को स्वीकार किया है–

(a) रामानुज (b) शंकर (c) कपिल (d) प्रभाकर

♣♣♣♣♣